>

Title: Regarding Mid-Day Meal Scheme.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति महोदय, आपके माध्यम से देश और सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि देश भर में लगभग सभी प्रदेशों में केन्द्र सरकार की ओर से मध्याह्न भोजन खिलाने की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था अच्छी है तथा गरीब, दलित और निम्न वर्ग के बच्चों को इससे काफी फायदा हो रहा है। लेकिन मैंने इस संबंध में स्थापित मिड डे मिल मॉनीटरिंग कमेटी की मीटिंग्स को अटैंड किया, तो चुने हुए प्रतिनिधि ने मेरे सामने यह तथ्य लाया कि इस योजना के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली खाद्य सामग्री प्रायः समय पर विद्यालयों में नहीं दी जाती है।

<u>19.00 hrs.</u>

जिसके कारण वहां के अध्यापकों को अपनी ओर से पैसा देकर बाजार से सामग्री खरीदनी पड़ती है और तब मिड-डे-मील बच्चों को परोसा जाता है। यह स्थिति किसी एक प्रदेश की नहीं है, बल्कि कमोबेश सारे देश की है। जैसा कि आप जानते ही हैं कि आजकल महंगाई के युग में अपने परिवार का पालन-पोषण करना अध्यापकों को कठिन हो रहा है, उसके ऊपर विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन के लिए बाजार से अन्न खरीदना कितना मुश्किल काम है। इसलिए मेरा निवेदन है कि सप्लाई करने वाली एजेंसियों को इस प्रकार की हिदायतें दी जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालयों में कम से कम एक महीने की खाद्य सामग्री भंडार में रहे। पहली सामग्री पूर्ण रूप से खत्म होने से एक महीने पहले अगली सामग्री पहुंच जाए ताकि इस प्रकार की कठिनाइयों से बचा जा सके।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात भी लाना चाहता हूं कि इस योजना के अंतर्गत निम्न स्तर की खाद्य सामग्री परोसी जाती है और कभी-कभी विषाक्त खाना भी परोसा जाता है, जिसके कारण अनेक बार विद्यार्थियों की तबियत खराब हो जाती है। उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए यह अनिवार्य किया जाए कि बच्चों को खाना परोसे जाने से पहले तैयार भोजन की मेडीकल जांच की जाए और यह देखा जाए कि वह बच्चों के खाने योग्य है या नहीं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहता हूं, हम जानते ही हैं कि बच्चे ही देश का भविष्य होते हैं। इसलिए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जो भोजन बच्चों को परोसा जाए, वह पौष्टिक व सभी मिनरल, विटामिन एवं खनिजों से परिपूर्ण हो ताकि बच्चे स्वस्थ रहें और देश के निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकें।